अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार
संख्या 216 श्री विजय पुरम, बुधवार, 12 अगस्त 2026 web: dt.andaman

# जलीय पशु रोगों पर नियंत्रण के लिए जैव–सुरक्षा एवं संगरोध प्रोटोकॉल पर कार्यशाला हुई

श्री विजय पुरम, 11 अगस्त

मत्स्य विज्ञान प्रभाग, आईसीएआर–केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम ने जलीय पशु रोगों के राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम के चरण–2 परियोजना के अंतर्गत "अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में जलीय पशु रोगों पर नियंत्रण के लिए जैव–सुरक्षा एवं संगरोध प्रोटोकॉल" विषय पर 10 अगस्त, 2026 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का आयोजन आईसीएआर–सीआईएआरआई के मत्स्य विज्ञान प्रभाग द्वारा जलीय पशु रोगों के राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम के द्वितीय चरण की परियोजना के तहत आईसीएआर–सीआईएआरआई के निदेशक की अध्यक्षता में किया गया। इसका उद्देश्य मत्स्य क्षेत्र के हितधारकों में जलीय पशु स्वास्थ्य, रोग की रोकथाम, फार्म जैव–सुरक्षा, संगरोध और रोग निगरानी के संबंध में जागरूकता पैदा करना तथा उनकी क्षमता को मजबूत करना था।

डॉ. मुरुगानंदम, प्रमुख, मत्स्य विज्ञान प्रभाग, ने संयोजक के रूप में कार्य किया, जबकि वैज्ञानिक डॉ. जे. प्रवीणराज ने पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य किया। डॉ. आर. किरुबा शंकर, डॉ. जेस मारिया विल्सन और श्री चित्तरंजन राउल ने पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में कार्य किया। कार्यशाला में मत्स्य विभाग के अधिकारी एवं क्षेत्रीय कर्मचारी, झींगा किसान, मछलीघर एवं सजावटी मछली व्यापारी, पिंजरा–पालन संचालक तथा अन्य मत्स्य क्षेत्र के हितधारकों सहित विभिन्न समूहों ने भाग लिया।

यहां प्राप्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों की भागीदारी ने जलीय पशु स्वास्थ्य बनाए रखने तथा द्वीपों में रोगों के प्रवेश और प्रसार को रोकने में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों पर चर्चा के लिए एक मंच प्रदान किया। झींगा पालन, सजावटी मछली व्यापार और पिंजरा–पालन के लिए लागू जैव–सुरक्षा उपायों पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसमें आपसी संदूषण की रोकथाम, उपकरणों एवं सुविधाओं का कीटाणुशोधन, कर्मचारियों और उपकरणों की आवाजाही पर नियंत्रण, मृत या रोगग्रस्त पशुओं का उचित निपटान तथा भोजन करने के व्यवहार और मृत्यु दर की नियमित निगरानी शामिल थी।

यह कार्यक्रम अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में जलीय पशु रोगों के राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम के द्वितीय चरण की परियोजना के अंतर्गत आईसीएआर–सीआईएआरआई द्वारा जलीय पशु रोग निगरानी, निदान क्षमता और हितधारकों की जागरूकता को मजबूत करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।